# रहियशी इलाके और बुनयिादी सुवधिाएं

सटिीज़ ऑफ़ डेल्ही

26 अगस्त 2015

CENTRE FOR POLICY RESEARCH

# रहिायशी इलाकों का वर्गीकरण

| | रहिायशी इलाके का प्रकार | जनसंख्या मलियिन में (2006) | दलि्ली की कुल जनसंख्या का प्रतशित | वैधता | पाइप के ज़रयि घर-घर पानी की आपूर्त की व्यवस्था |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | झुग्गी-झोपड़ी बस्तयिां (जे.जे. सी.) | 2.448 | 14.80% | अवैध और अनयिोजति | कोई अधकिार नहीं |
| 2 | स्लम डेज़ीग्नेटेड एरयिा | 3.148 | 19.10% | वैध पर अनयिोजति | अधकिार प्राप्त पर तकनीकी कारणों की वजह से न मलि पाना |
| 3 | अनाधकिृत कॉलोनयिां | 0.874 | 5.30% | अवैध, अनयिोजति पर सुरक्षति | कोई अधकिार नहीं |
| 4 | पुनर्वास कॉलोनी | 2.099 | 12.72% | वैध, नयिोजति, पर सेवाओं की व्यवस्था अनौपचारकि | अधकिार नहीं मलिा |
| 5 | ग्रामीण गाँव | 0.874 | 5.30% | अपवाद का क्षेत्र | छूट प्राप्त |
| 6 | नयिमति–अनाधकिृत कॉलोनयिां | 2.099 | 12.72% | वैध पर अनयिोजति | बढ़यिा |
| 7 | शहरी गाँव | 1.049 | 6.35% | अपवाद का क्षेत्र | बढ़यिा |
| 8 | नयिोजति कॉलोनयिां | 3.909 | 23.70% | वैध और नयिोजति | बढ़यिा |
| 10 | कुल जनसंख्या | 16.5 | 100.00% | | |

स्त्रोत: दलि्ली डेवलपमेंट रपिोर्ट, 2008, कॉलम 3 भान (2011) और कॉलम 4 मारयिा (2011) पर आधारति

# तालिका : अध्ययन किये गए रहियशी इलाकों में बुनियादी सुविधाएं

| रहियशी इलाके के परकार | रहियशी इलाके का नाम | पानी | सीवेज और शौचालय | नाली | सॉलिड वेस्ट | बिजली |
|---|---|---|---|---|---|---|
| झुग्गी-झोपड़ी बस्ती | अनंतराम हरजिन डेरी बस्ती | बस्ती में छह नलकों समेत एनडीएमसी की पाइपलाइन, सार्वजनिक शौचालय (सीटीसी) में नलके और एनडीएमसी का वाटर टैंक | अलग-अलग लोगों के लिये कोई शौचालय नहीं, सभी एक अच्छे रख-रखाव वाले सार्वजनिक शौचालय (सीटीसी) पर निर्भर | भूमिगत ड्रेनेज सिस्टम | एक ढलाव जो लगभग 50 मीटर की दूरी पर है, कूड़ा नियमित इकठ्ठा किया जाता है. | एनडीएमसी बिजली मुहैया कराती हैं, लेकिन कच्चे बिलों के साथ |
| झुग्गी-झोपड़ी बस्ती | एफ ब्लॉक पंजाबी बस्ती | दिल्ली जल बोर्ड के टैंकर, ट्यूबवेल और पड़ोसी कॉलोनियों में स्थित परिवार | एक सार्वजनिक शौचालय(सीटीसी) जिसका रख-रखाव बेहद खराब है, लोगों के अलग-अलग शौचालय | कोई ड्रेनेज सिस्टम नहीं | आस-पास में कोई भी ढलाव नहीं, एमसीडी का एक ट्रक गुजरता है, अगर ट्रक रुकता है तो इसमें कचरा फेंका जा सकता है. | मीटर लगे हुये वैध कनेक्शन (बीएसईएस राजधानी), बिजली की मुख्य लाइनों से गैर-कानूनी ढंग से चोरी, पड़ोसियों के साथ बिजली साझा करना |
| झुग्गी-झोपड़ी बस्ती | इंदिरा कल्याण विहार | पाइपों के जरिये पानी की आपूर्ति (यही पाइपलाइनें पीने और के पीने के अलावा अन्य कामों के लिये पानी मुहैया कराती हैं), ट्यूबवेल्स, पानी की मुख्य लाइनों में लगे नलके और पानी के टैंकर | वर्तमान में काम कर रहे चार सार्वजनिक शौचालय, कुछ प्राइवेट शौचालय जिनका निकास एक बड़े नाले में होता है. | संकरे पानी के नाले | इलाके के छोर पर स्थित एक ढलाव, कचरे को इकठ्ठा भी किया जाता है लेकिन ढलाव के आस-पास के इलाकों में कचरे का जरुरत से ज्यादा बिखिरा होना बेहद आम है. | मीटर लगे हुये वैध कनेक्शन (बीएसईएस, राजधानी) |
| झुग्गी-झोपड़ी बस्ती | कुसुमपुर पहाड़ी | बड़ी आबादी दिल्ली जल बोर्ड के टैंकरों पर निर्भर, झुग्गी-झोपड़ी बस्तियों के भीतर प्राइवेट ट्यूबवेल | सार्वजनिक शौचालय जो काम नहीं कर रहे हैं, बहुत से लोग खुले में मलत्याग करते हैं और कुछ ने अपने खुद के शौचालय बनवाये हुये हैं. | संकरे पानी के नाले | इलाके से गुजरने वाली सड़क के साथ इलाके के बीचों-बीच में एक ढलाव है. | मीटर लगे हुये वैध कनेक्शन (रिलाइंस-बीएसईएस), अब भी कुछ परिवार ऐसे हैं जो बिल का भुगतान करने में असमर्थ होने चलते बिजली का इस्तेमाल नहीं कर रहे हैं. |
| झुग्गी-झोपड़ी बस्ती | संजय कैम्प | एक हैंडपंप, पब्लिक ट्यूबवेल, पड़ोसी बाजार के इलाकों में लगे सरकारी नलके, पानी का टैंकर | एक सार्वजनिक शौचालय जो कि काफी नहीं है, बहुत से लोग खुले में मलत्याग करते हैं. | बस्ती के केवल एक हिस्से में नाले हैं | कोई ढलाव नहीं है, इसके बजाय इलाके के भीतर और चारों ओर कुछ कचरे के डिब्बे विभिन्न स्थानों पर रखे हुये हैं, पास की रेलवे लाइन पर खुले में कचरा फेंका जाता है | बिजली की कोई औपचारिक आपूर्ति नहीं, औपचारिक आपूर्ति से चोरी करके या हुकिंग करके |
| झुग्गी-झोपड़ी बस्ती | जय-हिन्द कैम्प | केवल कुछ टैंकर जिनमें कुछ दिल्ली जल बोर्ड के हैं और कुछ अलग से पैसे देकर बुलवाये जाते हैं, पीने के अलावा बाकी उद्देश्यों के लिये प्राइवेट पानी के टैंकर | खुला मलत्याग, झुग्गी-झोपड़ी बस्ती के थोड़े से हिस्से में बने हुये कॉमन शौचालय और बाथरूम | कोई ड्रेनेज सिस्टम नहीं | आस-पास कोई ढलाव नहीं है, झुग्गी-झोपड़ी बस्ती के कुछ हिस्से के लिये कचरा निजी कोशिशों से इकठ्ठा किया जाता है. | कोई औपचारिक आपूर्ति नहीं, औपचारिक आपूर्ति से चोरी या हुकिंग करके |

CENTRE FOR POLICY RESEARCH

# स्थान महत्त्वपूर्ण है

- शहर: एक ऐसा स्थान जसिे राशन कयिा जाता है
- नागरकिता के ववििधि रूप: औपचारकिता, वैधता और भूमि-अधकिार के ववििधि स्तर
- बुनयिादी सुवधिाओं की सुगमता का स्थान और वैधता पर नरि्भर होना
- रहिायशी इलाका प्रभाव
- अधकिारों का न होना >> राज्य के साथ सम्बन्ध में नेगोसएिशन
  - 2000 राजनैतकि समझौते
    - कमज़ोरी: एफ ब्लॉक
    - संरक्षण: अनंतराम डेरी हरजिन बस्ती
    - संगठति पर जुड़ी हुई नहीं: संगम वहिार

CENTRE FOR POLICY RESEARCH

# परणिाम

- स्थान, मूलभूत क्षमता और अवसर के ढांचे को तय करता है
- सरकार द्वारा सुवधिाओं को मुहैया कराने में असफलता
  - नजिी स्तर पर कुछ हद तक इस वफिलता का हल
  - शहरी गरीब को भारी आर्थकि लागत
  - सामाजकि लागत
- इस सन्दर्भ में वभिन्नि पहलुओं की बारीकी को समझना ज़रूरी

CENTRE FOR POLICY RESEARCH

# नतीजे: बुनियादी सुविधाएं

साफ़-सफाई

- सीवरेज
  - कई बार पुनर्वास कॉलोनियों में भी पाइप सीवरेज तंत्र का न होना
  - टैंकरों के ज़रिये 'सेप्टिक टैंक' खाली कराने की व्यवस्था
  - गैर-उपचारित मल का होना सामान्य
- शौचालय
  - शौचालयों के सार्वजनिक प्रावधान का सबसे व्यापक रूप सामुदायिक शौचालय (CTCs)
- कूड़ा निपटान: घर-घर से कूड़ा इकठ्ठा करने की निजी व्यवस्था और दिल्ली नगर निगमों द्वारा ढलाव से कूड़ा ले जाने की व्यवस्था

CENTRE FOR POLICY RESEARCH

# नतीजे: बुनियादी सुविधाएं

- पानी
  - सबसे ज़्यादा नेगोशिएट की जाने वाली सुविधा, बेहद राजनैतिक और बेहद असमान वितरण
  - पानी के टैंकर
    - कई रिहायशी इलाकों में पानी की एक मुख्य व्यवस्था
    - अलग-अलग अनुभव: कुसुमपुर में तय समय और नियमित रूप से टैंकरों का आना, वहीं बेहद कम सशक्त एफ़ ब्लॉक का अलग अनुभव
  - बोरवेल
    - अनियमित; पानी ही नहीं बल्कि तनाव के बिंदु भी

CENTRE FOR POLICY RESEARCH

# रहियशी इलाके और नविासयिों के भूमि-अधकिार

- झुग्गी-झोपड़ी बस्तयिां: अन्य शहरों के वपिरीत, ज़्यादातर बस्तयिां सार्वजनकि ज़मीन पर
  - इसमें 55% ज़मीन डी.डी.ए. की
  - सबसे कमज़ोर
- पुनर्वास कॉलोनयिां
  - अब तक तीन दौर
  - भूमि अधकिार: लीज़ या लाइसेंस
- अनाधकि्त कॉलोनयिां
  - ज़मीन का अनयिमति इस्तेमाल

CENTRE FOR POLICY RESEARCH